Seventeenth Loksabha

>

Title: Demanded inquiry into suicide by Punjab youth in Safdarjung hospital.

श्री मनीष तिवारी (आनंदपुर साहिब): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही दुखद घटना के कारण आपसे विषय परिवर्तन की अनुमति माँगता हूँ ।

अध्यक्ष जी, 18 मार्च को एक 23 साल का नौजवान, जो मेरे संसदीय क्षेत्र से है, उसका नाम तनवीर सिंह है, वह अपनी माता के साथ सिडनी से एयर इंडिया - 301 से भारत आया । उसको एयरपोर्ट पर एग्जामिन कि या गया और पाया गया कि शायद उसको बुखार है । उसे कहाँ ले जाया जा रहा है, उसकी माँ को बगैर यह बताए, उसे वहाँ से ले जाया गया । जब उसकी माता बाहर आई, तब उसने लोगों से पूछा और अपने परिवारजनों को बताया कि शायद उसको सफ़दरजंग अस्पताल लेकर गए हैं । जब वे लोग सफ़दरजंग अस्पताल पहुँचे, तो उनको वहाँ पर कोई जानकारी नहीं दी गई और उनसे कहा गया कि वे राम मनोहर लोहिया अस्पताल जाएँ । राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जब वे धक्के खाकर वापस सफ़दरजंग अस्पताल आए, तो उनको पता चला कि शायद कि सी व्यक्ति ने खुदकुशी कर ली है । साढ़े नौ बजे **23** वर्ष के नौजवान तनवीर सिंह ने तथाकथित खुदकुशी की और ढाई बजे तक उसकी लाश वहाँ पर पड़ी रही । कि सी ने उसकी लाश को नहीं उठाया ।

कल का पूरा दिन निकल गया, लेकि न पोस्टमॉर्टम नहीं हुआ । जब मैंने डीसीपी, साउथ से बात की तो आज सुबह उसका पोस्टमॉर्टम हुआ है ।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से गृह राज्य मंत्री जी से, जो यहां बैठे हैं, यह आग्रह करना चाहता हूं कि पूरी घटना की जांच कराई जानी चाहिए कि एक 23 वर्ष का नौजवान हवाई-जहाज से उतरता है, अस्पताल जाता है और अस्पताल जाते ही वह खुदखुशी कर लेता है? अगर तथाकथित तौर पर किसी को लगा कि वह कोरोना वायरस का शिकार है तो ऐसी कोई परिस्थिति तो नहीं बनी थी,

जिसके कारण यह खुदखुशी होती । इसकी बहुत संवेदनशील तरीके से जांच कराने की जरूरत है ।

अध्यक्ष जी, यह इसलिए जरूरी है क्योंकि यह घटना यह बताती है कि शायद कोरोना वायरस की जो साइकोलॉजिकल इम्पिलिकेशन्स हैं, उनसे निपटने के लिए हम तैयार नहीं हैं । इसलिए, इस घटना को उदाहरण बनाते हुए इसकी जांच किए जाने की जरूरत है । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री कुलदीप राय शर्मा को श्री मनीष तिवारी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।